Food Systems Summit 2024:
Marketplace for Ideas

Organised by:
The Food and Land Use Coalition India Country Platform
भारत कृषक समाज Bharat Krishak Samaj

15th-17th October 2024
New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति

फूड सिस्टम्स समिट-2024 का उद्घाटन : खाद्य प्रणाली हितधारकों के लिये ज्ञान के आदान-प्रदान का अखिल भारतीय मंच

नयी दिल्ली, 15 अक्टूबर 2024 : 'फूड सिस्टम्स समिट-2024 : मार्केट प्लेस ऑफ आईडियाज' (खाद्य प्रणाली बैठक-2024 : विचारों का बाजार) के प्रथम संस्करण का आज उद्घाटन किया गया। भारत कृषक समाज (बीकेएस) के सहयोग से आयोजित इस तीन दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन अपने विचार व्यक्त करने वाले प्रमुख वक्ताओं में कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय के पूर्व सचिव सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी श्री टी नंद कुमार, फोलू इंडियाके लीड एवं टेरी के डिस्टिंग्विश्ड फेलो सेवानिवृत्त आईएएस अफसर श्री एस विजय कुमार, फोलू के अधिशासी निदेशक श्री मोर्गन गिलेस्पी तथा बीकेएस के अध्यक्ष श्री अजय वीर जाखड़ शामिल रहे।

इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में खाद्य प्रणाली से सम्बन्धित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े 200 प्रतिभागी भाग लेंगे। इनमें 50 से अधिक सीएसओ के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। कार्यक्रम में विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि, नीति निर्धारक, विशेषज्ञ, सिविल सोसाइटी, छात्र एवं प्रबुद्ध वर्गों के लोगों के श्रोता के रूप में शामिल होने की सम्भावना है। कार्यक्रम के दौरान कुल 24 सत्र आयोजित किये जाएंगे, जिनमें वक्ता निम्नांकित चार प्रमुख विषयक क्षेत्रों से जुड़े सतत मॉडल्स पर अपनी बात रखेंगे:

- पर्यावरण के अनुकूल कृषि उत्पादन का समर्थन
- वर्षा आधारित क्षेत्र प्रबंधन को सुविधाजनक बनाना
- पोषण संबंधी परिणामों में सुधार
- सतत खाद्य वितरण प्रणाली और उपभोग व्यवहार को आगे बढ़ाना

एस विजय कुमार ने समिट का संदर्भ निर्धारित करते हुए कहा, "हमारी प्राथमिकता कृषि मूल्य श्रंखला से जुड़े विभिन्न हितधारकों को एक मंच पर लाना और सतत खाद्य एवं भू-उपयोग प्रणालियों में रूपांतरण में तेजी लाने के काम में उनकी सामूहिक समझ का लाभ उठाना है। यह सम्मेलन इस दिशा में एक कदम है। यह एक अनोखा राष्ट्रीय मंच है जो सीएसओ इकाइयों को संवाद करने और अपने प्रयासों को प्रदर्शित करने का बहुप्रतीक्षित अवसर देगा। फूड सिस्टम्स समिट (एफएसएस) से

मिलने वाले सबक से हमें अपने अगले कदम यानी **द फूड सिस्टम्स हब** की रूपरेखा तय करने में मदद मिलेगी।"

मॉर्गन गिलेस्पी ने खाद्य प्रणालियों को लेकर वैश्विक परिप्रेक्ष्य साझा करते हुए कहा, "खाद्य प्रणालियों के रूपांतरण का मतलब सिर्फ कृषि उत्पादकता ही नहीं बल्कि उससे कहीं ज्यादा से है। यह ऐसी प्रणालियों को तैयार करने के बारे में है जो हर किसी के लिए उपयोगी हों। फोलू इंडिया राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप विभिन्न हितधारकों को साथ जोड़कर और सतत तथा समावेशी बदलाव के लिए साझेदारियों का पोषण करके इस दिशा में नेतृत्व संभालने की सबसे बेहतर स्थिति में है।"

टी नंद कुमार ने अपने संबोधन में एक व्यापक परिदृश्य प्रस्तुत करते हुए कहा, "इस सम्मेलन का आयोजन अलग-अलग स्थान से उठने वाली आवाजों को एक साझा मंच देने के लिए किया गया है। इसका उद्देश्य यह भी है कि उन स्वरों को नीतियों में किस तरह जगह दिलवाई जा सकती है। खाद्य प्रणाली क्षेत्र में इस तरह का संवादात्मक आयोजन आमतौर पर देखने को नहीं मिलता। हम विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े दिलचस्प कार्य करने वाले लोगों को एक मंच पर लाने और यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि यह गठबंधन किस तरह से एक ऐसे पैटर्न के रूप में उभर सकता है जहां हम विभिन्न व्यावहारिक समाधानों की प्रतिकृति बनाने या उन्हें आगे बढ़ाने के उदाहरण देख सकते हैं।"

अजय वीर जाखड़ ने अपने समापन संबोधन में कहा, "खाद्य प्रणालियों के सफल रूपांतरण के लिए यह बेहद जरूरी है कि विभिन्न हितधारकों के बीच विश्वास पैदा किया जाए। मगर अक्सर यह विश्वास बनाने के लिए लगने वाले समय को कमतर आंकने की प्रवृत्ति देखी जाती है। बाजार हमेशा काम नहीं करते। यही वजह है कि सरकार को हस्तक्षेप करना पड़ता है। हमें न सिर्फ उपभोक्ताओं बल्कि तमाम नागरिकों के हितों के संरक्षण के लिए एक नेतृत्व की जरूरत होती है। नेतृत्व का मतलब इसका चुनाव करना है कि कौन सी समस्याएं हैं और यहीं पर प्रणाली का दृष्टिकोण महत्वपूर्ण हो जाता है।"

यह सम्मेलन संगठित ज्ञान उपलब्ध कराएगा, अपने अनुभवों को साझा करने में मदद करेगा और अपेक्षित प्रणालिगत बदलाव के लिए सिविल सोसाइटी की क्षमता के निर्माण में सहायता करेगा।

कार्यक्रम विवरण :

एफएसएस 2024 में अनेक प्रमुख वक्ता 6 विभिन्न सत्रों के दौरान अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। इन वक्ताओं में विभिन्न सरकारी प्रतिनिधि, परहितकारी संगठनों, सिविल सोसाइटी और बहुपक्षीय तथा द्विपक्षीय एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।
Access the full list here.

आगामी 16 और 17 अक्टूबर को निम्नांकित उच्च स्तरीय सत्र आयोजित किए जाएंगे :

- वैश्विक खाद्य प्रणालियों के परिवर्तन के लिए उपलब्ध रूपरेखाएँ और सबक
- अगले दशकों के लिए प्राथमिकताएँ - भारत में वित्त पोषण एजेंसियों के विचार
- खाद्य प्रणालियों के परिवर्तन में प्रमुख कारकों का समागम
- राष्ट्रीय खाद्य प्रणालियों का परिवर्तन - कार्रवाई के मार्गों को लेकर बहुपक्षीय और द्विपक्षीय एजेंसियों के दृष्टिकोण
- अगले दशकों के लिए प्राथमिकताएँ - वैश्विक वित्त पोषण एजेंसियों के विचार
- भारत में खाद्य पदार्थों के नुकसान और खाद्य अपशिष्ट को कम करने के लिए सहयोगात्मक कदम।

फोलू इंडिया के बारे में-

फूड एंड लैंड यूज कॉलीशन (फोलू) खाद्य एवं भू उपयोग प्रणालियों में सतत प्रकृति, समानता और लचीलेपन को आगे बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे विभिन्न देशों के मंचों, साझेदार संस्थाओं और एंबेसडर्स का एक वैश्विक समूह है। वर्ष 2017 में गठित फोलू विविधता का समर्थन करता है, क्रांतिकारी सोच को अपनाता है और प्रमाण आधारित दृष्टिकोण के जरिए आम राय तैयार करता है। यह संगठन नीति निर्धारकों, कारोबारियों, निवेशकों और सिविल सोसाइटी को समुचित स्तर पर सामूहिक प्रयास करने के लिए सशक्त बनाता है। भारत में फोलू कॉलीशन में काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) रिवाइटलाइजिंग रेनफेड एग्रीकल्चर नेटवर्क (आरआरएएन), द एनर्जी एंड रिसोर्सेस इंस्टीट्यूट (टेरी) तथा डब्ल्यू आर आई इंडिया शामिल हैं। फोलू का विजन एक उत्पादकतापूर्ण, दक्ष और समावेशी अर्थव्यवस्था द्वारा समर्थित एक ऐसे सुरक्षित, स्वस्थ और समृद्ध भारत का निर्माण करना है जो अपनी खाद्य और भू उपयोग प्रणालियों का सतत रूप से प्रबंध करे।
www.foluindia.org

भारत कृषक समाज के बारे में

भारत कृषक समाज भारत के अग्रणी किसान संगठनों में शामिल है। यह किसानों की खुशहाली के साथ-साथ स्वस्थ, सतत, समावेशी और न्यायसंगत खाद्य प्रणालियों का समर्थन करता है जो किसानों, उपभोक्ताओं, हमारे देश और धरती को फायदा पहुंचाते हैं। भारत कृषक समाज की स्थापना वर्ष 1955 में हुई थी। यह एक ऐसा साझा मंच प्रदान करता है जहाँ खाद्य प्रणालियों को मजबूत करने में रुचि रखने वाले सभी लोग मिल सकते हैं और अपनी बुद्धि, संसाधनों और ऊर्जा का उपयोग उन लोगों की मदद करने के लिए कर सकते हैं जो अपनी जमीन से अधिक उत्पादन करने में लगे हुए हैं। भारत कृषक समाज खेती के अनुभव के आधार पर साक्ष्य-आधारित खाद्य और कृषि नीति की सिफारिश करता है। साथ ही बहु-हितधारक अनुसंधान, साझेदारी और संवाद, कार्यशालाओं और सम्मेलनों का आयोजन करता है।

वेबसाइट : **https://bks.org.in/**

अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क करें :

पल्लवी सिंह
सीनियर कम्युनिकेशन मैनेजर / कम्युनिकेशन लीड, फोलू इंडिया

Email: Pallavi.singh2@wri.org / india.communications@folu.org

Ph: +91 9999154259